SYLLABUS

LECTURER (SCHOOL EDUCATION)
PAPER – II
RAJASTHANI

खण्ड - I (उच्च माध्यमिक स्तर)

1. राजस्थानी भाषा :-

- उद्भव एवं विकास
- राजस्थानी की विभिन्न बोलियाँ (मारवाड़ी, मेवाड़ी, हाड़ौती, बागड़ी, मालवी और मेवाती) का सामान्य परिचय
- राजस्थानी की पहचान के भाषा वैज्ञानिक तत्त्व
- प्रमुख लिपियाँ : मुड़ियाँ एवं देवनागरी

2. राजस्थानी भाषा, व्याकरण एवं काव्य-दोष :-

- राजस्थानी वर्णमाला
- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया संरचना
- राजस्थानी भाषा की विशिष्ट ध्वनियाँ, शब्दों के परिवर्तित रूप एवं अर्थ भेद।
- पर्यायवाची शब्द : तलवार, घोड़ा, ऊँट, पानी, वीर, सूर्य, हाथी, कमल, बादल, भूमि।
- अलंकार : वैण-सगाई और उसके भेद
- छंद : दूहा छंद और उसके भेद
- काव्य दोष : अंधदोष, छबकाल, पांगलो, हीन और निनंग शब्द शक्तियाँ : अभिद्या, लक्षणा, व्यंजना।

खंड II : स्नातक स्तर

3. राजस्थानी साहित्य का इतिहास :

(i) आदिकाल : परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचय : वज्रसेन सूरि, श्रीधर व्यास, शारंगधर, शिवदास गाडण, नरपति नाल्ह।

(ii) मध्यकाल :-

(अ) पूर्वमध्यकाल : परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचयः ईसरदास, दुरसा आढा, पृथ्वीराज राठौड, हेमरतन सूरि, माधोदास दधवाडिया, सायांजी झूला।

ब) उत्तरमध्यकाल : परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचयः मीरांबाई, दादूदयाल, सुंदरदास, जांभोजी, जसनाथजी, रामचरणदास, सहजोबाई, गवरीबाई, किसना आढा, मुहणोत नैणसी, नरहरिदास बारहठ, कृपाराम खिडिया और बाँकीदास

(iii) आधुनिक काल - परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनका सामान्य परिचय :

(पद्य) : सूर्यमल्ल मीसण, रामनाथ कविया, शंकरदान सामौर, केसरीसिंह बारहठ, महाराज चतुरसिंह, गणेषीलाल व्यास 'उस्ताद', कन्हैयालाल सेठिया, चन्द्रसिंह 'बिरकाली', नारायणसिंह भाटी, सत्यप्रकाष जोषी, गिरधारी सिंह पड़िहार, चंद्रप्रकाष देवल एवं तेजसिंह जोधा।

(गद्य) : षिवचन्द्र भरतिया, मुरलीधर व्यास, सूर्यकरण पारीक, गिरधारीलाल शास्त्री, षिवराज छंगाणी, नेमनारायण जोषी, मनोहर शर्मा, नृसिंह राजपुरोहित साँवर दइया, यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र', गोविन्दलाल माथुर, अन्नाराम सुदामा, लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, विजयदान देथा, बैजनाथ पँवार, करणीदान बारहठ, जहूर खाँ मेहर, अर्जुनदेव चारण।

4. राजस्थानी पद्य एवं गद्यः रूपों का सामान्य परिचय :-

पद्य : रासो, वेलि, फागु, चौपाई, पवाड़ा, संधि, बारहमासा, विवाहलो, धमाल, चैत्यपरिपाटी, नीसांणी, गीत एवं सतसई। गद्य : वचनिका, दवावैत, ख्यात, वात, विगत, पाटनामा, वंषावली, गुर्वावली, बालावबोध, टीका एवं टब्बा।

आधुनिक विधाएँ - कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र एवं डायरी।

5. राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति :-

- लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोकोक्ति (कहावतें एवं मुहावरे)
- लोकदेवी-देवता, लोक उत्सव, (मेले, पर्व एवं तीज त्योहार)

(खंड-III स्नातकोत्तर स्तर)

6. राजस्थानी काव्य शास्त्र :-

- काव्य हेतु, लक्षण एवं प्रयोजन
- रस .सिद्धांतः रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण
- ध्वनि सिद्धांत एवं वक्रोक्ति सिद्धान्त

रचनाए :

1. ढोला मारू रा दूहा (सम्पादक : सूर्यकरण पारीक, ठा. रामसिंह एवं नरोत्तम स्वामी) मारवाणी संदेसा (दूहा सं. 110-210)

2. मीरां वृहत् पदावली, भाग-1 (सम्पादक : हरिनारायण पुरोहित) (पद संख्या-01 से 50 तक)

3. बादळी (चंद्रसिंह बिरकाली) (संपूर्ण)

4. अलेखूँ हिटलर - विजयदान देथा, काँच रो चिलको - यादवेंद्र षर्मा 'चंद्र' (कहानी), कूदणो बाबो-नेमनारायण जोषी (संस्मरण) एवं मारजा - षिवराज छंगाणी (रेखाचित्र)

भाग- IV (शिक्षाशास्त्र, शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग)

I. शिक्षाशास्त्र और शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर शिक्षार्थियों के लिए निर्देशात्मक रणनीतियाँ)

- संचार कौशल और उसका उपयोग।
- शिक्षण मॉडल- उन्नत आयोजक, अवधारणा प्राप्ति, सूचना प्रसंस्करण, पूछताछ प्रशिक्षण।
- शिक्षण के दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी और उपयोग।
- सहकारी अधिगम।

II. शिक्षण अधिगम में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

- आईसीटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की अवधारणा।
- सिस्टम दृष्टिकोण।
- कंप्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम, कंप्यूटर सहायता प्राप्त निर्देश